

कोरोना बढ़ा रहा धड़कन! डब्ल्यूएचओ सतर्क देरा में 1010 एविटप केस, 6 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिसंबर 2019 के आखिरी के हफ्तों में शुरू हुई कोरोना महामारी अब भी खुल्ह नहीं हुई है। पिछले कुछ महीनों से संक्रमण का रफ़तार नियंत्रित हो, हालांकि अब एक बार फिर से ये वायरस सक्रिय हो गया है। आराननें वायरस अपनी प्रकृति के हिसाब से लगातार म्यूटेट होते रहते हैं, इसी क्रम में कोरोनावायरस में भी म्यूटेशन देखा जाता रहा है और नए वैराएट्स भी सामने आते रहे हैं।

पिछले एक दो साल में दुनियाभर में ऑमिक्रोन के बाप मामले सबसे ज्यादा सिर्पिट किए गए हैं। इस बार के बढ़ते प्रक्रोप के लिए भी ऑमिक्रोन के ही सब-वैरिएट्स (एनबी.1.8.1 और एलएफ.7) को जिम्मेदार पाया गया गया है।

27 मई (मंगलवार) को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड के डेटा के मुताबिक देश में कुल एविटप केस 1010 हैं। 19 मई से अब तक 753 नए मामले रिपोर्ट किए गए हैं देश में कोरोना से अब तक 6 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच लोगों में मैं कुल सर्वात रुक्का है, क्या सर्वात खासी होते ही कोविड टेस्ट करना चाहिए? क्या फिर एक लाल आने वाली है, किसे सभी लोगों को वैक्सीन लेनी होगी? ... इसके अलावा क्या इस बारे के संक्रमण में भी लोगों को डेटा वैरिएट की देखते हुए विश्वव स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूचॉर्च) ने अब एनबी.1.8.1 को वैरिएट ऑफ मॉटिवरिंग के रूप में वर्किंग कर दिया है, अब तक इसे वैरिएट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में रखा गया था।



जरूरत पड़ रही है? आइए इसके बारे में विस्तार से समझते हैं।

डब्ल्यूएचओ हुआ अलर्ट

कोरोना के दोनों सब-वैरिएट्स एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 के मामले भारत सहित कई देशों में काफी तेजी से बढ़ रहे हैं, भारतीय अबादी में भी इसके कारण संक्रमण में तेजी से उत्तर आया है। बढ़ते जेवियों को देखते हुए विश्वव स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूचॉर्च) ने अब एनबी.1.8.1 को वैरिएट ऑफ मॉटिवरिंग के रूप में वर्किंग कर दिया है, अब तक इसे वैरिएट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में रखा गया था।

वैरिएट ऑफ मॉटिवरिंग का

मतलब है कि अब वायरस के इस रूप को लेकर प्राथमिकता के आधार पर ध्यान देने और निगरानी की आवश्यकता है।

वैरिएट ऑफ इंटरेस्ट के दैरगत वायरस में हुए परिवर्तन और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जाती है, इस वर्गकरण का मतलब होता है कि वैरिएट ज्यादा चिंतनजनक नहीं है।

जेन.1 वैरिएट के बारे में जानिए

ये बोल मेडिसिन के अनुसार, जेन.1 स्ट्रेंग (अनीपार्चारिक रूप से 'परोला') के मामले पिछले कुछ वर्षों में सबसे ज्यादा

देखे जा रहे थे। इसमें म्यूटेशन के बाद दो नए सब-वैरिएट एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 सामने आये थे। इनके स्थानक प्रोटोन में कुछ म्यूटेशन (जैसे 435प्स, वी445प्च और टी478आई) देखे गए हैं जो इन्यू अन्य वैरिएट्स की तुलना में अधिक संक्रामकता और शरीर में बढ़ी प्रतिक्रिया से बचने में मदद कर रहे हैं। बढ़ी कारण है कि इन्यू वो लोग भी संक्रमित हो रहे हैं जो पहले से वैक्सीनेशन की डोज पूरी कर चुके हैं या बूस्टर शॉट भी ले चुके हैं।

चुकि समय के साथ शरीर में बढ़ी रोटीनी भी कमज़ोर होती जाती है, इसलिए ये वायरस प्रभावी रूप से फैल रहा है।

संक्रमितों के क्या दिक्कत हो रही है?

देश में संक्रमितों को या दिक्कत हो रही है, उनमें किस तरह के लक्षण देखे जा रहे हैं, क्या फिर से लोगों को सांस की दिक्कत हो रही है और अॉक्सीजन की जरूरत हो रही है? इस बारे में संक्रमितों के लिए हमने पूछे स्थित एक अप्यास के मिट्टिकल केरर के डॉक्टर उपेंद्र सिंह से बातचीत की।

उपेंद्र सुत्रों के मुताबिक ज्योति मल्होत्रा को पता था कि वह आईएसआई के हाथों में खेल रही है, इसके बावजूद फालोंपर्स व व्यूज बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के वायरस विशेषज्ञ और वीआईपी ट्रेटमेंट मिल सकते।

पुलिस सुत्रों के मुताबिक ज्योति

मल्होत्रा ने पहली बार पाकिस्तान के बाद विशेषज्ञ होनी की जारी रखी थी। पुलिस का मानना है कि ज्योति ने जानबूझकर आईएसआई का साथ दिया, ताकि उसे विशेषज्ञ और वीआईपी ट्रेटमेंट मिल सकते।

नई दिल्ली। ज्योति मल्होत्रा ने पहली बार पाकिस्तान वायर के बाद विशेषज्ञ होनी की जारी रखी है, और अॉक्सीजन की जरूरत हो रही है। पुलिस का मानना है कि ज्योति ने जानबूझकर आईएसआई का साथ दिया, ताकि उसे विशेषज्ञ और वीआईपी ट्रेटमेंट मिल सकते।

पुलिस सुत्रों के मुताबिक ज्योति मल्होत्रा को पता था कि वह आईएसआई के हाथों में खेल रही है, इसके बावजूद फालोंपर्स व व्यूज बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के वायरस विशेषज्ञ और वीआईपी ट्रेटमेंट मिल सकते।

ज्योति मल्होत्रा के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी)

डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

इससे अधिक कुछ नहीं कहा जा सकता। ज्योति के किसी आतंकवादी संगठन के संपर्क में होने के सबूत नहीं मिले हैं।

शुरुआत के बाद विशेषज्ञ और वीआईपी ट्रेटमेंट मिल सकते।

ज्योति के बाद लोगों का बाबूल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता है। फिल्हाल

ज्योति के बाद लोगों के मोबाइल-लैपटॉप से करीब 12 टेराबाइट (टीबी) डाटा मिला है। इनमें डाटा वैक्सीनों में समय लगता ह



करंट क्राइम

सिर्फ सच...

03

• नई दिल्ली | बुधवार 28 मई - 2025

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित



जिला मुख्यालय परिसर का डीएम दीपक मीणा ने अधिकारियों संग किया निरीक्षण

जल्द कलेक्टर में वन-वे होगा ट्रैफिक मुख्य गेट और मार्ग पर नहीं खड़े होगे वाहन

- एसीपीट्रैफिक को दिए ट्रैफिक पुलिस के अतिरिक्त सिपाही लगाने के निर्देश
- अवैध रूप से नहीं होगा वाहन पार्किंग व ओवर रेटिंग पर लगे लगान



गाजियाबाद, करंट क्राइम : बीते लंबे समय से गाजियाबाद जिला मुख्यालय परिसर और आसपास के मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से वाहनों के खड़े होने से ट्रैफिक जाम की समस्या हो जाती थी। इसमें न सिर्फ अधिकारियों को परेशान होना पड़ता था बल्कि अम जनना भी कई बार इस समस्या से दो चार होते थे। मंगलवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसीपीट्रैफिक जियाउदीन, मुख्य विकास

अधिकारी अधिनव गोपाल, सिटी मजिस्ट्रेट संघों कुमार पुष्पालय ने गाजियाबाद जिला मुख्यालय परिसर का औंचक निरीक्षण करते हुए दीपक को परेशान होना से बाहरी ने सरकारी वाहनों के खड़े होने से चिह्नित। इस दौरान एसीपीट्रैफिक के मुख्य गेट पर खड़े होने वाले वाहनों को लेकर नाराजी जारिर की। तो वहाँ मीडिया सेंटर और उनके कार्यालय के मुख्य मार्ग पर खड़े होने वाले वाहनों को

लेकर भी उन्होंने एसीपीट्रैफिक जियाउदीन को निर्देश दिया है कि यहाँ पर किसी भी प्रकार के वाहनों की पार्किंग नहीं होनी चाहिए।

इसके साथ ही यहाँ पर यातायात होना पड़ता था जियाउदीन ने सरकारी वाहनों के मुख्य गेट पर खड़े होने वाले वाहनों को लेकर निरंतर इयुटी लगाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही एसीपीट्रैफिक को जियाउदीन ने कहा है कि बुधवार से जिला मुख्यालय परिसर में प्रतिदिन टीएसआई और चार ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को प्राप्तिदिन तैनात करने के लिए कहा है। एसीपीट्रैफिक को जियाउदीन ने कहा है कि अब जिला मुख्यालय गाजियाबाद परिसर में प्रतिदिन टीएसआई और चार ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के वाहन और अधिकारियों की गाड़ियों की भी यहाँ न खड़ा कराया जाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही एसीपीट्रैफिक को जियाउदीन ने कहा है कि बुधवार से लेकर मुख्यालय परिसर में यातायात और पार्किंग की व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। इस दौरान जिलाधिकारी दीपक मीणा न कहा है कि जो लग भी नियमनुसार वाहन पार्किंग ना करे, ऐसे वाहनों का वालान किया जाए, उनके मालिकों का स्पष्ट समझाया जाए की पार्किंग रखने पर ही वाहन खड़े किए जाए।

मीडिया सेंटर, सूचना अधिकारी का कक्ष और विकास भवन के बाहर बने स्थल पर खड़े होने वाले वाहनों को लेकर भी उन्होंने एसीपीट्रैफिक को जियाउदीन को निरीक्षण किया है। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि विकास भवन में एकल मार्ग यानी वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही कलेक्टर और विकास भवन में एकल मार्ग यानी वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की जाए।

अब डीएम ऑफिस पर मनमर्जी नहीं होगी वाहन पार्किंग

करंट क्राइम : जिलाधिकारी दीपक मीणा ने मंगलवार को जिस तरीके से कलेक्टर एवं डीपिक पुलिस के अफसरों से कहा है कि पार्किंग स्थान कहाँ से कहाँ तक है, इसके लिए बाकायदा बोर्ड एवं दिशा सूचक लगाया जाए। साथ ही पार्किंग संचालकों द्वारा किसी भी आम नाराकिंगों और वाहन स्थानियों से निर्धारित पार्किंग शुल्क के अतिरिक्त ना वाली जी का जाए, इस बात का भी ध्यान अधिकारियों को रखना होगा।



एसीपीट्रैफिक को जियाउदीन ने कहा है कि अब जिला मुख्यालय परिसर में प्रतिदिन टीएसआई और चार ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को प्राप्तिदिन तैनात करने के लिए कहा है। एसीपीट्रैफिक को जियाउदीन ने कहा है कि बुधवार से लेकर मुख्यालय परिसर में यातायात और पार्किंग की व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। इस दौरान जिलाधिकारी दीपक मीणा न कहा है कि जो लग भी नियमनुसार वाहन पार्किंग ना करे, ऐसे वाहनों का वालान किया जाए, उनके मालिकों का स्पष्ट समझाया जाए की पार्किंग रखने पर ही वाहन खड़े किए जाए।

मीडिया सेंटर, सूचना अधिकारी का कक्ष और विकास भवन के बाहर बने स्थल पर खड़े होने वाले वाहनों को लेकर भी उन्होंने एसीपीट्रैफिक को जियाउदीन को निरीक्षण किया है। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि विकास भवन में एकल मार्ग यानी वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही कलेक्टर और विकास भवन में एकल मार्ग यानी वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की जाए।

महापौर सुनीता दयाल ने दो साल का कार्यकाल पूरा होने पर वसुंधरा और इंदिरापुरम जोन को दी 95 करोड़ की सौगत इंदिरापुरम में 85 करोड़ और वसुंधरा जोन में 10 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

इंदिरापुरम को विकास का व्याय माँड़ल बनाएंगे : महापौर

करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल द्वारा बताया गया है कि अब इंदिरापुरम नगर निगम के हिस्से में है, इस्पिटिल नगर निगम के लिए अधिकारी इंदिरापुरम को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

महापौर ने कहा है कि अब इंदिरापुरम के लिए अधिकारी इंदिरापुरम को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें। उनके कार्यकाल को दो साल पूरे हो गए हैं।

दो साल पूरे होने के उपलक्ष पर उन्होंने मंगलवार को इंदिरापुरम में जहाँ

निर्माण कार्यों का कार्यकाल बनाएंगे : महापौर

करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल द्वारा बताया गया है कि इंदिरापुरम की सड़कों, नालों, नालों को स्थिति बहुत ही खराब थी। कुछ समय पहले निरीक्षण किया गया था, तब लोगों की शिकायत भी थी कि सड़कों और नालों की स्थिति बहुत गंभीर है वही लोगों को भी जानती आप दिन घेर रही थी, लेकिन इंदिरापुरम के लिए बहुत बड़ा बाजट दिया जा रहा है। तब तीव्र दृश्यों की समस्या को समाधान हो जाएगा। इंदिरापुरम और वसुंधरा जोन के लोगों को तामाज तरीके की सुविधा मिले। महापौर ने कहा है कि अब इंदिरापुरम नगर निगम के हिस्से में है, और समस्याओं का समाधान समय मिले। महापौर ने कहा है कि अब इंदिरापुरम को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को लेकर खाली फोक्स करें और समस्याओं का समाधान करना रुक्त करें।

निर्माण कार्यों को ल

